आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-16, भोपाल, सोमवार, 15 से 21 मई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

हादसा टला: लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के 6 डिब्बे पटरी से उतरे,कई घायल

उन्नाव। मुम्बई से लखनऊ जा रही लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस उन्नाव स्टेशन पर पलटते बची। ट्रेन के 11 कोच पटरी तोड़ते हुए नीचे उतर गए। ट्रेन इतनी तेजी से लहरायी कि प्लेटफार्म का लम्बा हिस्सा उसके टकराने से क्षतिग्रस्त हो गया। यात्रियों में अफरा-तफरी मच गयी, ट्रेन रुकते ही घबराए यात्री बाहर आ गए। दुर्घटना का कारण पटरी मे गड़बड़ी बताई जा रही है। 20 कोच वाली ट्रेन उन्नाव स्टेशन से करीब 300 मीटर पहले ही लोकनगर क्रासिंग पर मवेशी से टकरायी थी, इस पर चालक ने ट्रेन रोकी थी। करीब 10 मिनट यहां ट्रेन खड़ी रहने के बाद आगे बढ़ी थी इस कारण ट्रेन की रफ्तार धीमी थी। उन्नाव जंक्शन में प्रवेश करते ही ट्रेन तेजी से लहरायी। इंजन समेत आगे के दो कोच और पीछे के सात कोच छोड़ कर बीच के बाकी 11 कोच पटरी तोड़ते हुए नीचे उतर गए। पटरी कई जगब से ऐसी टूटी जैसे उसको आरी से काट कर अलग किया गया हो। पटरी के कई टुकड़े हो गए और ट्रेन के ये 11 कोच प्लेटफार्म तोड़ते हुए आगे रुके।

मोहन भागवत को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने से अमित शाह ने किया इनकार

नई दिल्ली। भाजपा ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के नाम पर अभी कोई फैसला नहीं लिये जाने का दावा करते हुए कहा कि पार्टी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रत्याशी बनाने के शिवसेना के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है. राष्ट्रपति पद के लिए भाजपा नीत राजग प्रत्याशी के बारे में एक सवाल के जवाब में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने एक खबरिया चैनल से कहा कि इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, 'अगर मेरे मन में कोई नाम होगा भी तब भी इसके बारे में पहले पार्टी के भीतर चर्चा होगी.' भाजपा अध्यक्ष ने भागवत को राष्ट्रपति प्रत्याशी बनाने के शिवसेना के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया और कहा कि पार्टी ने इसे खारिज कर दिया है. कश्मीर के बारे में एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि राज्य की स्थिति के बारे में अंश मात्र भी चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार जल्द ही स्थिति को काबू में कर लेगी. उन्होंने कहा, 'कश्मीर की स्थिति के बारे में जो कुछ पेश किया जा रहा है, उसमें और वास्तविकता में काफी अंतर है. समस्या केवल साढ़े तीन जिलों तक सीमित है।

उत्तर कोरिया ने फिर किया मिसाइल परीक्षण

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर से मिसाइल परीक्षण किया है. इस परीक्षण की सूचना दक्षिण कोरिया की सेना ने दी है. दक्षिण कोरियाई जॉइंट चीफ़ ऑफ स्टाफ के दफ़्तर का कहना है कि यह परीक्षण रविवार को स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर बाद किया गया है. एक हफ़्ता पहले ही उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षण किया था. उस मिसाइल परीक्षण के बारे में कहा गया था कि वह अलग तरह की मिसाइल थी जो परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है.

उत्तर कोरिया ने आख़िर परमाणु बम कैसे बनाया? पिछले सोमवार को ही संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद ने प्योंगयांग (उत्तर कोरिया की राजधानी) को मिसाइल परीक्षण नहीं करने की चेतावनी दी थी. सुरक्षा परिषद ने ज़ोर देकर कहा था कि उत्तर कोरिया तत्काल प्रतिबद्धता दिखाते हुए परमाणु हथियारों से ख़ुद को अलग कर ले. उत्तर कोरिया अब तक पांच परमाणु परीक्षण कर चुका है. वह अपनी मिसाइलों को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिश कर रहा है।

तमिलनाडु में नई पॉलिटिक्स! मोदी से मिल सकते हैं रजनीकांत

चेन्नै। यदि सवाल किया जाए कि क्या रजनीकांत राजनीति में शामिल होंगे और जवाब मिले कि राजनीति ही रजनीकांत में शामिल हो सकती है तो शायद आपको हैरानी न हो। रजनीकांत की लोकप्रियता को लेकर इस तरह की मजाकिया टिप्पणियां सोशल मीडिया पर आम हैं। बीते कुछ सालों में रजनीकांत के नाम और उनकी साख को बताने वाले ऐसे कई चुटकुले सोशल मीडिया पर चलते रहे हैं। लेकिन इस बार अभिनेता के राजनीति में जाने के सवाल पर गंभीर अटकलें चल रही हैं। रजनीकांत ने जिस तरह के संकेत दिए हैं, उसके मुताबिक वह सियासी रुख अख्तियार कर सकते हैं। अगर यह सही हुआ तो तमिलनाडु की राजनीति में नए आयाम देखने को मिलेंगे। अपुष्ट खबरों के मुताबिक रजनीकांत जल्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। पिछले सप्ताह अपने चहेते अभिनेता से मिलने यहां जमा हुए प्रशंसकों के बीच उस समय उत्साह देखने को मिला जब रजनीकांत ने उनसे कहा कि 'जंग' के लिए तैयार रहिए। इसे उनके राजनीति में जाने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु की राजनीति में कई फिल्मी कलाकार अपनी किस्मत आजमा चुके हैं।

स्वामी बोले, महामूर्ख और अनपढ़ हैं रजनीकांत

अब लगता है कि मौजूदा दौर के सुपरस्टार रजनीकांत भी अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद आई राजनीतिक शून्यता की स्थिति में रजनीकांत की यह टिप्पणी सही समय में की गई मानी जा रही है। रजनीकांत के प्रशंसकों को लगता है कि उनके तलाइवा या नेता इस खालीपन को भर सकते हैं। हालांकि रजनीकांत के राजनीति में आने की संभावना को लेकर अन्य दलों के नेता इतने उत्साहित नहीं लगते। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पीएमके नेता अंबुमणि रामदौस ने कहा, तमिलनाडु को किसी अभिनेता की नहीं बल्कि पढ़े-लिखे इंसान की जरूरत है।

रजनी बोले, तमिलों ने नकारा तो सीधे हिमालय ही जाऊंगा

मराठी मूल के और कर्नाटक से तमिलनाडु में आकर बसे रजनीकांत खुद को सच्चा तमिल बताते हैं। उन्होंने कहा, %मैं कर्नाटक से हूं फिर भी आपने मुझे स्वीकार किया और आपने मुझे तमिलियन बना दिया। मैं अब विशुद्ध रुप से तमिल हूं। रजनीकांत ने कहा था, अगर आप मुझसे बाहर जाने के लिए कहोगे और निकाल फेंकोगे तो मैं केवल हिमालय ही जाउंगा और अन्य किसी राज्य में नहीं जाऊंगा। रजनीकांत के राजनीति में जाने की अटकलें कई सालों से चलती रहीं हैं। 1996 में जब उन्होंने जयललिता को वोट नहीं देने का आह्वान जनता से किया था, तब भी उनके राजनीति में जाने की अटकलें चली थीं। उस चुनाव में जयललिता विधानसभा चुनाव हार गई थीं और द्रमुक ने जबरदस्त जीत हासिल की थी।

तीन तलाक में बदलाव नहीं हुआ तो सरकार ला सकती है नया कानून: वेंकैया नायडू

अमरावती। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा है कि मुस्लिम समुदाय तीन तलाक में बदलाव नहीं करता है, तो सरकार इसमें हस्तक्षेप कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस प्रथा को रोकने के लिए सरकार कानून बना सकती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम तीन तलाक के मुद्दे पर समुदाय को विचार करना है। अच्छा होगा मुस्लिम समुदाय खुद इसमें बदलाव करे। अन्यथा ऐसी स्थिति बन सकती है कि सरकार को इस पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना पड़े। नायडू शनिवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह किसी के निजी मामले में दखल नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के प्रति न्याय का सवाल है।

सभी महिलाओं को समान अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि हिंदू समुदाय में भी बाल विवाह, सती और दहेज जैसी प्रथाओं को खत्म करने के लिए कानून बनाए गए। जब यह महसूस किया गया कि ऐसी प्रथाएं समाज के लिए ठीक नहीं हैं, तब हिंदू समुदाय ने इन पर चर्चा किया और इनमें सुधार किया। नायडू ने कहा कि इंसान को इंसान की तरह देखें। उसे हिंदू, ईसाई या मुसलमान के तौर पर अलग नहीं करें। ऐसे भेदभाव के जरिये महिलाओं के प्रति अन्याय नहीं होना चाहिए। नायडू ने खुद के यूएन-हैबिटेट के गवर्निंग काउंसिल का चेयरमैन चुने जाने पर कहा कि विश्व जब भारत को महत्व देता है तो खुशी होती है। कुलभूषण जाधव के मामले को ही लीजिए। इतिहास में पहली बार भारत जाधव की फांसी पर रोक लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय गया। अपने लंबे राजनीति जीवन का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि उनकी केवल यही इच्छा है कि नरेंद्र मोदी दस वर्षों तक प्रधानमंत्री रहें। अगर ऐसा हुआ तो भारत विश्व में और मजबूत होकर उभरेगा।तीन तलाक में बदलाव नहीं हुआ तो सरकार ला सकती है नया कानून: वेंकैया नायडू

अमरावती। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा है कि मुस्लिम समुदाय तीन तलाक में बदलाव नहीं करता है, तो सरकार इसमें हस्तक्षेप कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस प्रथा को रोकने के लिए सरकार कानून बना सकती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम तीन तलाक के मुद्दे पर समुदाय को विचार करना है। अच्छा होगा मुस्लिम समुदाय खुद इसमें बदलाव करे।

400 करोड़ रुपये के घोटाले पर केजरीवाल को घेरा

नई दिल्ली। मंत्री पद से बर्खास्त कपिल मिश्र का आम आदमी पार्टी (आप) और उनके नेताओं पर आरोप लगाने का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में रविवार को एक बार फिर पत्रकार वार्ता कर कपिल मिश्रा ने एलान किया कि आज से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जा रहा है। वहीं, कपिल मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल से आठ सवालों के साथ 400 करोड़ रुपये के घोटाले का भी जिक्र किया है।

मोबाइल नंबर जारी किया है कि इस पर लोग समर्थन देने के लिए कॉल करें। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के पुराने लोग आज मेरे साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संजय सिंह व आशुतोष को विदेश वह व्यक्ति (शीतल प्रसाद) अपने खर्च पर क्यों ले जा रहा है। जो हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट का बड़ा कारोबारी है।

400 करोड़ के घोटाले में इस शीतल प्रसाद की कंपनियों संलिप्तता पाई गई थी। 49 दिन की सरकार में कमेटी बना कर इस की जांच शुरू की गई थी। दूसरी बार सरकार आयी तो जांच आगे नही बढ़ाई गई। केजरीवाल शीतल प्रसाद पर अपना जवाब दें। उन्होंने बाकायदा नाम लेते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पार्टी को हैक कर लिया है। कपिल मिश्रा ने कहा कि विभव कुमार, आशीष तलवार, संजय सिंह, दुर्गेश पाठक जैसे लोग पार्टी चला रहे हैं। अब आओ, क को साथ सुथरा करना है। केजरीवाल मुक्त करना है। प्रशांत भूषण व योगेंद्र यादव से माफी मांगी मांगता हूं कि मैंने केजरीवाल के अंधभक्त होने पर उन्हें अपशब्द भी कहे। जो लोग केजरीवाल से प्रताड़ित हैं वे हमारे साथ आएं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2017-18 के लिये अधिकारी

एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये जारी की स्थानांतरण नीति

उज्जैन। राज्य शासन ने राज्य एवं जिला-स्तर पर वर्ष 2017-18 में अधिकारी-कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये स्थानांतरण नीति निर्धारित कर जारी की है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने गत 19 मई को आदेश जारी किये हैं।

स्थानांतरण नीति के अनुसार एक से 30 जून, 2017 तक स्थानांतरण किये जा सकेंगे। वित्त विभाग ने एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमआईएस) का विकास किया है, जिसमें स्थानांतरण के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा शासकीय सेवकों को उपलब्ध करवायी गयी है। राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिये शासकीय सेवकों से आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किये जायें। शासकीय सेवकों की लॉग-इन आई.डी. उनका इम्पलाई कोड%% होगा। संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा शासकीय सेवकों को पासवर्ड प्रदान करने के लिये अधिकृत किया गया है। समस्त विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि 31 मई तक उनके अधीनस्थ कार्यालयों के सभी कर्मचारियों को लॉग-इन एवं पासवर्ड प्रदान कर दिये जायें। स्थानांतरण के लिये आवेदन करने की समय-सीमा 15 जून, 2017 तय की गयी है। सभी विभाग को अपनी विभागीय वेबसाइट में http://mptreasury.gov.in/FMS/login.jsp लिंक देने के निर्देश दिये गये हैं।

सॉफ्टवेयर-आईएफएमआईएस पर की जाने वाली प्रक्रिया के लिये संचालनालय कोष एवं लेखा ने आवश्यक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की है। राज्य-स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण विभागीय प्रक्रिया के अंतर्गत ही किये जायेंगे। प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों के स्थानांतरण विभागीय प्रमुख सचिव/सचिव द्वारा विभागाध्यक्ष के प्रस्ताव/प्रशासकीय आधार पर विभागीय मंत्री के अनुमोदन पर किये जायेंगे। तृतीय श्रेणी के अधिकारी-कर्मचारियों के अंतर्जिला स्थानांतरण विभागाध्यक्ष के प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद विभागाध्यक्ष के स्तर पर हो सकेंगे। स्थानांतरण नीति से हटकर किये जाने वाले स्थानांतरण के प्रकरणों में मुख्यमंत्री के समन्वय में आदेश प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।

थाने के सामने आधा घंटा पिटती रही युवती, थाने में बोली मजाक कर रहे थे

इंदौर। पंढरीनाथ थाने के सामने एक युवक युवती को लठ से पीट रहा था और युवती एक अन्य युवक के पीछे छिपकर खुद को बचाने की कोशिश कर रही थी। इस बीच न तो थाने से कोई जवान आया और न भीड़ से किसी ने बचाने की कोशिश की। घटना शनिवार दोपहर पंढरीनाथ चौराहे की है। युवक लड़की को आधा घंटा पीटता रहा। इस दौरान कुछ लोग तमाशबीन बनकर खड़े थे तो कुछ मोबाइल पर वीडियो बना रहे थे। पीटने वाला युवक शराब पीए हुए था। काफी देर बाद युवती को समझ आया कि पास में थाना है।

प्रेमी के सामने छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की कोशिश

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की कोशिश करने का मामला सामने आया है। छात्रा प्रेमी के साथ संदिग्ध अवस्था में थी। बदमाशों ने दोनों को पकड़ लिया। प्रेमी को बंधक बनाकर पीटा और छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश की। पुलिस ने सामान्य मारपीट का मामला बताकर दोनों को रवाना कर दिया। घटना बायपास स्थित बेस्ट प्राइस के सामने की है। देवास निवासी छात्र-छात्रा बाइक से इंदौर आए थे। रात 1 बजे घूमते हुए दोनों निपानिया बायपास पहुंच गए। सुनसान जगह पर छात्र-छात्रा आपत्तिजनक स्थिति में आ गए।

घरवाले बता रहे थे नाबालिग पुलिस ने जांचा तो बालिग निकले

इंदौर। चंदन नगर इलाके में सरेराह उत्पात मचाने वाले बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया और बीच चौराहे पर जमकर पिटाई भी की। घर वाले सभी आरोपियों को नाबालिग बता रहे थे, ताकि बच जाएं, लेकिन जांच की तो वे बालिग निकले। अब पुलिस ने उन पर रासुका लगा दी है। चंदन नगर पुलिस के अनुसार सिरपुर से चंदन नगर तक दहशत फैलाकर आतंक मचाने वाले बदमाशों को पकड़ा है, इसमें आरोपी शाहवाज निवासी रानी पैलेस और शादाब निवासी गीता नगर है। एक नाबालिग भी है। चार दिन पहले इन बदमाशों ने बाइक पर एक तलवार ली और पूरे इलाके में दहशत फैलाते रहे। इन्होंने तीन लोगों पर हमला किया था और दो गाड़ियां भी फोड़ी थीं। पुलिस ने घटना के बाद ही आरोपियों को ट्रेस कर लिया था, लेकिन वे घर नहीं पहुंचे थे। पुलिस लगातार इनके पीछे पड़ी थी। इनके घर वाले इन्हें नाबालिग बताकर बचाने में लगे हुए थे। पुलिस ने पड़ताल की और स्कूलों की मार्कशीट व अन्य दस्तावेज निकलवाए तो ये बालिग निकले। दोनों बालिगों का शनिवार को जुलूस निकाला और जहां-जहां भी घटनाएं की थीं, वहां रोक रोककर पिटाई की। बाद में इनकी रासुका पेश की। कलेक्टर ने इन्हें सांप्रदायिक इलाके में दहशत फैलाने का आरोपी मानकर रासुका की कार्रवाई की है। उधर, कनाड़िया पुलिस ने मित्रबंधु नगर में हुई तांत्रिक की हत्या के मामले में आरोपी अंकित की तलाश में एक टीम बाहर भेजी है। पुलिस को ओमप्रकाश और कैलाश से पूछताछ के लिए दो दिन का रिमांड मिला है। गौरतलब है कि दो दिन पहले जमीन से गढ़ा धन नहीं निकाल पाने पर आरोपियों ने तांत्रिक की हत्या कर दी थी।

गोरधन धाम-विभिन्न स्मृति, अवसरों पर मधुमेह जाग्रति शिविर

उज्जैन। गोर्धनधाम में श्री चिकित्सासंसार ट्रस्ट द्वारा रविवार को प्रात: आयोजित मधुमेह, ब्लड प्रेशर, वजन जांच जाग्रति शिविर में नगर के अनेक समाजसेवियों एवं प्रमुख व्यक्तियों ने भी भाग लेकर 54 का परीक्षण करवाया। जिसमे बीजेपी प्रमुख श्री प्रकाश चित्तोड़ा, उमेशचंद्र गुप्ता, पार्षद रिंकू बेलानी, दीपक बेलानी, प्रकाश खण्डेलवाल, सुरेंद्र खण्डेलवाल, समाजसेवी श्याम माहेश्वरी आदि का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर श्री प्रकाश चितोड़ा ने कहा कि विभिन्न अवसरों जैसे जन्मदिन, पुण्यतिथि पर नगर के विभिन्न लोगो ने संस्था द्वारा दी जा रही सेवाओ का शिविर लगाकर लाभ लेना चाहिए उन्होंने अपने पिता की पुण्य तिथि अवसर 22 फरवरी पर 5100 रु सहयोग राशि की घोषणा करते हुए इसकी शुरुआत की।

खबरें

डॉ.अंबेडकर पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

डॉ.अंबेडकर के विचारों और आदर्शों को सही स्वरूप में समझने की आवश्यकता

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागृह में शनिवार को संविधान की संरचना एवं सामाजिक उत्थान में डॉ.भीमराव अंबेडकर के योगदान पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी का प्रायोजन भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नईदिल्ली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा, लोक सेवा प्रबंधन एवं जनशिकायत निवारण मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री जयभानसिंह पवैया और ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद प्रो.चिन्तामणि मालवीय और उज्जैन दक्षिण विधायक डॉ.मोहन यादव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। दिल्ली के दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर श्री एसआर भट्ट ने सारस्वत अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम के पूर्व मौजूद अतिथियों द्वारा स्व.श्री अनिल माधव दवेजी के चित्र के समक्ष पुष्पांजली अर्पित की गई। इसके बाद विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगान का गायन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री श्री जयभानसिंह पवैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में डॉ.अंबेडकर के विचारों और आदर्शों को सही स्वरूप में समझने की आवश्यकता है। एकाधिकार जमाना मनुष्य की शुरू से ही प्रकृति में रहा है और इसी कारण समाज में अस्पृश्यता और कुरीतियों का चलन बढ़ा। इतिहास में भी हम लोगों में एकता व समरसता की कमी के कारण ही विदेशी आक्रमणकारियों से हम पराजित हुए और उन्होंने हमारे देश पर शासन किया। समाज में अस्पृश्यता से बड़ा कोई अधर्म नहीं है। ये कुरीति मनुष्य को मनुष्य से अलग करती है, इसलिये इसे खत्म करने की जरूरत थी। ऐसी कुरीतियों और अस्पृश्यता के कलंक को धोने में डॉ.अंबेडकर का महान योगदान रहा है।

मंत्री श्री पवैया ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का नाम स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास में दर्ज किया गया है, जो अनन्तकाल तक लोगों के स्मृति पटल पर अंकित रहेगा। बाबा साहब अंबेडकर के लिये राष्ट्र सर्वोत्तम था। उनका कहना था कि समाज में स्वतंत्रता सामाजिक समरसता के बिना संभव नहीं है। प्रेम के बिना आपसी भाईचारा और बंधुत्व उत्पन्न नहीं हो सकता है, इसलिये हम सबको अपने आपको भारत माता की सन्तान मानना होगा। हमें बाबा साहब अंबेडकर के इन्ही महान विचारों को अंगीकार करना होगा। दो दिवसीय आयोजित इस संगोष्ठी में बाबा साहब के आदर्शों को समझने का एक बेहतरीन प्रयास किया गया है और यह हमारे समाज को एक सही दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी में जो पेपर्स प्रस्तुत किये गये हैं, उनका प्रकाशन किया जाये और जनमानस में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ.भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को हमें अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिये। डॉ.अंबेडकर सामाजिक समरसता के पक्षकार थे। उनके आदर्शों पर चलकर हमें अपने जीवन को आगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिये। दो दिवसीय इस संगोष्ठी में डॉ.अंबेडकर के विचारों और आदर्शों पर देश के अलग-अलग कोने से आये विद्वानों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये। इस संगोष्ठी में वैचारिक मंथन भी किया गया है जो कि हर्ष और गौरव का विषय है। मंत्री श्री जैन ने अपनी ओर से संगोष्ठी के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। लोकसभा सांसद प्रो.चिन्तामणि मालवीय ने कहा कि डॉ.अंबेडकर का चिन्तन दूरगामी था। यह युग परिवर्तन का युग है। डॉ.अंबेडकर की विचारधारा ने पूरे देश को प्रभावित किया है। इस संगोष्ठी के माध्यम से बाबा साहब के जीवन के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ.अंबेडकर निस्सन्देह अपने युग के एक महान विद्वान थे। उन्होंने जीवन के हर पक्ष पर लेखन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये। वे एक महान दार्शनिक, अर्थशास्त्री और तर्कशास्त्री थे। इसके अलावा उन्होंने इतिहास और राजनीति पर भी बहुत सारी रचनाएं की हैं। उनका जीवन दर्शन बहुत गहरा और गंभीर था। वे स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व व न्याय के पक्षकार थे। उनका जीवन दर्शन व्यवहारवादी था। उन्होंने अपने दर्शन में भौतिक तत्वों को महत्व दिया और धर्म की नवीन व्याख्या की।

रॉयल भूटान आर्मी और रॉयल आर्मी गार्ड के जेसीओ को दिया गया प्रशिक्षण

राज्य मंत्री श्री सारंग ने कोर्स कम्पलीशन सर्टिफिकेट दिये

भोपाल। रॉयल भूटान आर्मी और रॉयल आर्मी गार्ड भूटान के 10 जेसीओ को प्रशिक्षण के बाद कोर्स कम्पलीशन सर्टिफिकेट सहकारिता, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने मंत्रालय में एक सादे समारोह में प्रदान किये।

राज्य मंत्री श्री सारंग ने बताया कि सहकारी प्रबंधन संस्थान भोपाल द्वारा 27 फरवरी से 19 मई, 2017 तक लघु व्यवसाय और ग्रामीण उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण आर्मी के अधिकारियों को दिया गया। यह पहला अवसर था जब सहकारी प्रबंध संस्थान भोपाल में रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से भूटान सरकार ने एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर दिया।

राज्य मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्मी के इन अधिकारियों को लघु व्यवसाय और ग्रामीण विकास से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गयी, जो उनको स्वयं के रोजगार और दूसरों को रोजगार में मार्गदर्शन देने में सहायक होगी। यह वह अधिकारी हैं, जो सेना से सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता प्रशिक्षण संस्थान सेना से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और जवानों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करता है। इसी क्रम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रशिक्षण में सभी जवानों को खेती, लघु व्यवसाय क्षेत्र, रिटेलिंग, खुदरा व्यापार, पोल्ट्री फॉर्म, ग्रीन एवं पॉली-हाउस, सब्जी और फलों का विपणन आदि से संबंधित तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी दी गयी। इससे यह जवान सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद अपना व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि भूटान आर्मी के इन जवानों ने भोपाल में प्रदेश और देश की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत को भी देखा और जानकारी प्राप्त की।

प्रदेश की योजनाओं से प्रभावित होकर अन्य राज्य अनुसरण कर रहे हैं

भोपाल। वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार तथा खनिज साधन मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में कई कल्याणकारी योजनाएँ तथा कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इनसे प्रभावित होकर देश के अन्य राज्य भी उनका अनुसरण कर रहे है। श्री शुक्ल आज रीवा में मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह तथा निकाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में 150 जोड़ें दाम्पत्य सूत्र में बँधे। उद्योग मंत्री ने नव-युगल को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगल भविष्य की कामना भी की। उद्योग श्री शुक्ल ने कहा कि गरीब बेटियों के हाथ पीले करने का पुण्य काम प्रदेश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बेटियों के जन्म से लेकर विभिन्न योजनाएँ बनाई है ताकि कोई भी बेटी बोझ न बने। श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बेटियों के उत्थान के लिये चिन्तित है इसी को ध्यान में रखते हुए योजनाएँ संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्य भी इनसे प्रेरणा लेकर अपने यहाँ योजनाएँ शुरू कर रहे हैं।

उद्योग मंत्री श्री शुक्ल ने इस मौके पर नव-दम्पित्तयों का बीमा कराने की घोषणा भी की। प्रत्येक विवाहित जोड़ों को 20 हजार रुपये का चेक गृहस्थी का समान के लिये तथा स्मार्टफोन के 3,000 रुपये दिये।

स्वर्गीय श्री दवे की अंत्येष्टि में जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र बांद्राभान में हुए शामिल

भोपाल। जनसंपर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने आज होशंगाबाद जिले के बांद्राभान में केन्द्रीय राज्य मंत्री स्वर्गीय श्री अनिल माधव दवे की अंत्येष्टि में शामिल हुए। इसके पहले जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र ने आज प्रातः विमानतल पर केन्द्रीय रसायन, उर्वरक और संसदीय कार्य मंत्री श्री अनंत कुमार की अगवानी की। जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र केन्द्रीय मंत्री श्री अनंत कुमार के बांद्राभान प्रवास में साथ रहे। जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र ने स्वर्गीय श्री दवे की अंत्येष्टि में पहुँचे अन्य केन्द्रीय मंत्रियों से भी भेंट की।

दतिया में नागरिकों को रोजाना मिले पेयजल

भोपाल। जनसंपर्क, जल-संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने आज दतिया में फिल्टर प्लांट पर नगर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि नगर में प्रतिदिन नागरिकों को पानी मिले, इसके लिए आज से ही सभी संबंधित अधिकारी, कर्मचारी जुट जाएं। उन्होंने कहा कि 25 मई से शहर के नागरिकों को प्रतिदिन पानी मिले यह सुनिश्चित किया जाए। मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि 26 मई को इसकी समीक्षा की जाएगी। रोजाना पेयजल आपूर्ति में विफल होने वालों के विरूद्ध कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के अधिकारी और जन-प्रतिनिधि बेहतर समन्वय से कार्य करें और जनता के प्रति पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध रहें। दतिया शहर की आबादी सवा लाख के करीब है। अभी एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है। जनसंपर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने यह भी निर्देश दिए कि पेयजल वितरण की सभी व्यवस्थाएँ दुरूस्त की जाएं। इस अवसर पर दतिया कलेक्टर और नगरपालिका अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

यातायात प्रबंधन पर दो-दिवसीय सेमीनार 22 मई से

भोपाल। यातायात प्रबंधन विषय पर पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) में दो-दिवसीय सेमीनार 22 मई से प्रारंभ होगा। इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन (आईआरटीई) फरीदाबाद के विशेषज्ञों द्वारा सुबह 9.30 बजे से सेमीनार किया जा रहा है। सेमीनार में मध्यप्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा क्रियान्वयन समिति के 8 विभाग के नोडल अधिकारी भी शामिल होंगे। इस संबंध में उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई श्री नवल सिंह रघुवंशी ने परिवहन, नगरीय विकास एवं पर्यावरण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, सड़क विकास निगम, लोक निर्माण, स्कूल शिक्षा विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएचएआई के नोडल अधिकारी को अवगत करवाया है। सेमीनार में प्रदेश के 51 जिलों से यातायात ड्यूटी में संलग्न अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्वर्गीय श्री दवे की स्मृति में लगाये आम के पौधे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बांद्राभान में स्वर्गीय श्री अनिल माधव दवे के अस्थि संचय के बाद आँगनवाड़ी केन्द्र परिसर में स्वर्गीय श्री दवे की स्मृति में आम के पाँच पौधो का रोपण किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे वृक्ष लगाएं और उनकी देखभाल भी करें। मुख्यमंत्री ने आगामी 2 जुलाई को पूरे प्रदेश में एक साथ किये जाने वाले वृक्षारोपण की जानकारी देते हुए बताया कि जन-सहयोग से इस दिन करोड़ों वृक्षों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आँगनवाड़ी केन्द्र में पहुँचकर बच्चों के साथ बातचीत की। बच्चों को दुलार करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या वे रोज आँगनवाड़ी आते हैं, बच्चों ने हाँ में जवाब दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बच्चों को हमेशा खुश रहने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने बच्चों के नाश्ते के लिए बनाई गई खिचड़ी भी चखी और अपने हाथों से बच्चों को खिचड़ी भी खिलाई।

खबरें

अवैध परिवहन में लगे वाहनों और खनिजों के राजसात के अधिकार अब कलेक्टर को

अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोक के लिये गौण खनिज नियम में संशोधन

भोपाल। खनिज साधन विभाग ने मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम-1996 में संशोधन किया है। संशोधन आज से लागू हो गया है। संशोधन के बाद प्रदेश में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम पर और अधिक प्रभावी ढंग से कार्रवाई हो सकेगी।

मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम में अवैध उत्खनन, परिवहन के प्रकरणों में समझौता राशि वसूल कर प्रशमन किये जाने के प्रावधान थे। यदि आरोपी द्वारा प्रशमन के लिये सहमति नहीं दी जाती थी, तब उसे संबंधित जिला कलेक्टर नियमों के तहत दण्डित नहीं कर सकते थे। खनिज साधन विभाग द्वारा नियमों में किये गये संशोधन के बाद खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के प्रकरणों में दण्ड दिये जाने के अधिकार कलेक्टर को दिये गये हैं।

संशोधन के बाद अवैध उत्खनन, परिवहन के प्रकरणों में पहली बार प्रकरण प्रकाश में आने पर अवैध रूप से उत्खनित अथवा परिवहित खनिज की प्रचलित रॉयल्टी का 30 गुना, दूसरी बार रॉयल्टी का 40 गुना, तीसरी बार रॉयल्टी का 50 गुना और चौथी बार रॉयल्टी का 70 गुना दण्ड अधिरोपित किया जा सकेगा। इसी प्रकार अवैध उत्खनन एवं परिवहन के प्रकरणों में समझौते किये जाने के प्रावधान किये गये हैं। पहली बार प्रकरण प्रकाश में आने पर रॉयल्टी का 25 गुना, दूसरी बार रॉयल्टी का 35 गुना, तीसरी बार रॉयल्टी का 45 गुना एवं चौथी बार रॉयल्टी का 65 गुना तक की राशि प्रशमन के लिये प्रावधानित की गयी है।

पूर्व की व्यवस्था में बाजार मूल्य के मान से दण्ड किये जाने के प्रावधान थे। बाजार मूल्य अलग-अलग जिलों में अलग-अलग होता था, जिसके कारण एक ही खनिज पर अलग-अलग राशि का अर्थदण्ड आरोपित होता था, इस विसंगति को समाप्त कर दण्ड एवं प्रशमन में आरोपित राशि में एकरूपता होगी। संशोधित नियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि गौण खनिजों के खदानधारकों द्वारा यदि खदान क्षेत्र में अवैधानिक रूप से परिवहन किया जाता है, तब स्वीकृत खदान में खनन कार्य निलंबित करने और ऐसे परिवहन खनिज पर अतिरिक्त रॉयल्टी वसूल करने का अधिकार अब कलेक्टर्स को दिया गया है।

संशोधित नियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि निजी भूमि में मुरम खनिज का उत्खनि-पट्टा स्वीकृत करने के प्रावधान पूर्व में किये जा चुके हैं, तो ऐसी स्थिति में मुरम खनिज का अस्थायी लायसेंस प्रदान करने का प्रावधान समाप्त किया गया है। रेत एवं पत्थर खनिज की खदाने नीलामी के माध्यम से आवंटित किये जाने के प्रावधान हैं। इस प्रक्रिया से नीलामी में अधिक राशि प्राप्त हुई है। इन खदानों के व्यवसाय पर विपरीत प्रभाव न पड़े और राज्य शासन को खनिज आय सतत रूप से मिलती रहे, इस वजह से पत्थर एवं रेत खनिज की निजी भूमि में अस्थायी लायसेंस स्वीकृत किये जाने के प्रावधान को समाप्त किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2017-18 के लिये अधिकारी एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये जारी की स्थानांतरण नीति

राज्य शासन ने राज्य एवं जिला-स्तर पर वर्ष 2017-18 में अधिकारी-कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये स्थानांतरण नीति निर्धारित कर जारी की है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आज आदेश जारी किये हैं। स्थानांतरण नीति के अनुसार एक से 30 जून, 2017 तक स्थानांतरण किये जा सकेंगे। वित्त विभाग ने एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमआईएस) का विकास किया है, जिसमें स्थानांतरण के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा शासकीय सेवकों को उपलब्ध करवायी गयी है। राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिये शासकीय सेवकों से आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किये जायें। शासकीय सेवकों की लॉग-इन आई.डी. उनका %इम्पलाई कोड%% होगा। संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा शासकीय सेवकों को पासवर्ड प्रदान करने के लिये अधिकृत किया गया है। समस्त विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि 31 मई तक उनके अधीनस्थ कार्यालयों के सभी कर्मचारियों को लॉग-इन एवं पासवर्ड प्रदान कर दिये जायें। स्थानांतरण के लिये आवेदन करने की समय-सीमा 15 जून, 2017 तय की गयी है।

सम्पादकीय

जल-वायु स्वच्छता के महती प्रयास

विकास की बढ़ती गति के साइड इफेक्ट के रूप में बढ़ते प्रदूषण से सम्पूर्ण विश्व आज चिन्ता में है। ऐसे में जल और वायु में घुलते जहर को नियंत्रित कर स्वस्थ हवा-पानी दिलाने के प्रयास मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड द्वारा किए जा रहे हैं। पिछले 11 साल में किये गये प्रयास न केवल प्रदेश, बल्कि देश और विश्व में स्वस्थ जलवायु के लिये छोटा किन्तु महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बोर्ड राज्य सरकार को जल एवं वायु प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण और उपशमन के लिये सलाह देता है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में प्रदूषण का कम स्तर होने में इन सलाहों पर अमल होना भी एक वजह है।

केन्द्रीय योजना आयोग द्वारा सराहना : भारत सरकार के योजना आयोग ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की व्यवस्था की तारीफ करते हुए इसे अन्य राज्यों में लागू करने की अनुशंसा की है। बोर्ड उद्योगों एवं संस्थानों द्वारा जल, वायु सम्मति और खतरनाक अपशिष्ट के प्राधिकार के लिये प्रस्तुत आवेदनों का निराकरण प्रत्येक माह के दो गुरुवार को करता है। यह तकनीकी प्रस्तुतिकरण बोर्ड के सभी अधिकारियों, संबंधित उद्योग प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शिता से होता है।

ऑनलाइन की गई सम्मति प्रक्रिया : बोर्ड ने उद्योगों और संस्थानों को दी जाने वाली सम्मति प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसमें आवेदन, शुल्क, दस्तावेज प्रस्तुति, उन्हें स्व-प्रमाणित करने और आधारयुक्त ई-हस्ताक्षर को मान्यता दी गयी है। इसी तरह बोर्ड की ओर से सम्मति प्रकरण के निपटारे संबंधी ऑनलाइन क्रेरी-रिप्लाय सहित सम्मति प्रकरण के निराकरण के बाद ई-हस्ताक्षरयुक्त सम्मति-पत्र जारी होने की पूरी प्रक्रिया पेपरलेस होने के साथ ही पूर्ण पारदर्शी भी है।

31 जगह नर्मदा जल गुणवत्ता ए-श्रेणी की : बोर्ड प्रदेश की जीवन-धारा नर्मदा नदी का सतत गुणवत्ता मापन करता रहता है। नदी के जिन स्थानों पर जल गुणवत्ता बी एवं सी श्रेणी की पायी गयी, वहाँ संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर सुधारात्मक कार्यवाही की गयी। हाल ही में केन्द्रीय बोर्ड की मॉनीटरिंग में प्रदेश के अमरकंटक से लेकर ककराना तक सभी 31 बिन्दु पर ए-श्रेणी पायी गयी है, जो प्रदेश के लिये एक बड़ी उपलब्धि है। नर्मदा नदी में बॉयो-मॉनीटरिंग वर्ष 2007 से वर्ष 2009 के बीच एवं वर्ष 2012 से वर्ष 2014 के बीच किया गया, जिससे जल गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार हुआ है। मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है, जिसने प्रदेश के लगभग 123 उद्योगों में ऑनलाइन रियल टाइम मॉनीटरिंग इक्युपमेंट एवं वेब आधारित कैमरों के जरिये इन्हें मुख्यालय के सर्विलियांस सेंटर से जोड़ा है। इससे उद्योगों द्वारा जल में विषैला अपशिष्ट मिलाने पर रोक लगी है। सिंहस्थ-2016 के दौरान क्षिप्रा नदी की गुणवत्ता के सतत मापन के लिये ऑनलाइन रियल टाइम मॉनीटरिंग की गयी। प्रमुख जल गुणवत्ता प्रभावित पेरामीटरों के विश्लेषण आम जनता के सामने प्रस्तुत किये गये, जो देश में बड़ी उपलब्धि है।

अपशिष्टों के लिये संयुक्त उपचार व्यवस्था लागू : प्रदेश के उद्योगों से उत्पन्न होने वाले खतरनाक अपशिष्टों के भण्डारण, अपवहन और भस्मीकरण के लिये संयुक्त उपचार व्यवस्था लागू की गयी है। औद्योगीकरण को बढ़ावा देने वाले गेल इण्डिया लिमिटेड, हिण्डालको, सासन पॉवर, मोजर बियर पॉवर, एनसीएल एवं डब्ल्यूसीएल की खदानों एवं विशिष्ट पूँजी निवेश वाले उद्योगों के सम्मति प्रकरणों का ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तेजी से निराकरण किया गया।

ज्यादा अवधि की सम्मति नवीनीकरण सुविधा देने वाला देश का दूसरा राज्य : प्रदेश में जैविक खाद और सोलर पॉवर प्लांट उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये उन्हें हरी श्रेणी में रखते हुए एक साथ 15 साल के नवीनीकरण की सुविधा दी गयी है। मध्यप्रदेश देश का दूसरा राज्य है, जिसने प्रदेश के उद्योगों को लाल श्रेणी-5 वर्ष, नारंगी श्रेणी-10 वर्ष और हरी श्रेणी के उद्योगों को 15 वर्ष एकसाथ आगामी अवधि के सम्मति नवीनीकरण की सुविधा दी है। उद्योगों को बोर्ड द्वारा जारी की जाने वाली जल और वायु सम्मति एवं खतरनाक अपशिष्ट के प्राधिकार को सिन्क्रोनाइज करते हुए वर्ष 2011 से समेकित सम्मति जारी करने की प्रक्रिया आरंभ की है। इससे उद्योगों को अब अलग-अलग आवेदन नहीं देने पड़ते हैं। सीमेंट उद्योगों की व्यर्थ तापीय ऊर्जा को बिजली में बदलने के लिये सतना सीमेंट प्लांट में 19.5 मेगावॉट के पॉवर प्लांट की स्थापना की गयी है। प्लास्टिक पॉलिथिन कैरीबेग का विनष्टीकरण बहुत कठिन था। बोर्ड ने सीमेंट भट्टी में कोयले के साथ दहन की व्यवस्था लागू करवाकर लगभग 12 हजार मीट्रिक टन प्लास्टिक अपशिष्ट का निपटान करवाया। बोर्ड के शहडोल, छिन्दवाड़ा, कटनी, सिंगरौली, देवास और पीथमपुर मे क्षेत्रीय कार्यालय हैं। मुख्यालय की केन्द्रीय प्रयोगशाला के साथ जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर प्रयोगशालाओं के लिये एनएबीएल, ओशा एक्रीडेशन प्राप्त किया जा चुका है। वाहन उत्सर्जन, ध्वनि-स्तर मापन, विभिन्न अपशिष्ट से पर्यावरण को हो रहे नुकसान का अध्ययन एवं जल, वायु और मिट्टी में विभिन्न प्रदूषकों से पड़ने वाले प्रभाव पर अनुसंधान भी बोर्ड लगातार करता रहता है। भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड परिसर में पड़े जहरीले अपशिष्ट का परीक्षण एवं अनुसंधान के बाद इन्सीनेरेटर से निपटान किया गया। उद्योगों को पर्यावरण रक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष उद्योगों और खदानों को पुरस्कृत किया जाता है।

- पराग वराडपांडे

शासकीय सेवकों को दक्ष और सक्षम बनाती प्रशासन अकादमी

एक कल्याणकारी राज्य व्यवस्था में राज्य के निवासियों का कल्याण सबसे ऊपर होता है। शासन की योजनाओं को बनाने से लेकर लागू करने तक सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी राज्य के अधिकारी एवं कर्मचारियों की होती है। इन महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन के लिये सक्षम एवं दक्ष मानव संसाधन की जरूरत होती है। मध्यप्रदेश में यह काम आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी बखूबी कर रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बीते 11 साल में शासकीय सेवकों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि पर बल दिया है उनका मानना है कि राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों की कार्य-क्षमता एवं दक्षता में वृद्धि सुशासन के लिए जरूरी है। प्रशिक्षण ही एकमात्र ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा कर्मचारियों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करते हुए उन्हें जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाता है। प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी राज्य की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशा के अनुरूप अकादमी ने शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेषकर पिछले 11 साल में प्रशासन अकादमी ने प्रशिक्षण एवं सुशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

अकादमी में इस अवधि में 3,804 प्रशिक्षण किये गये। इसमें कुल एक लाख 14 हजार 312 शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। दूरस्थ अंचलों में कार्यरत शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था सेटेलाइट के जरिये की गयी। इसके लिये अकादमी में स्थापित सेटकॉम केन्द्र ने शिक्षा सहित अन्य विभाग के कर्मचारियों को विशेष रूप से तैयार प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण दिया। स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिये विशेषज्ञों की सेवाएँ लेते हुए वर्चुअल कक्षाओं का प्रसारण शुरू किया गया। इससे दूरस्थ अंचलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों से शिक्षण का लाभ मिला और वे अपनी अध्ययन संबंधी कठिनाइयों का निवारण कर सकें। प्रशासन अकादमी की उत्कृष्ट अधोसंरचना एवं गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण की क्षमता को देखते हुए भारत सरकार, अन्य राज्य सरकारों एवं देश के प्रतिष्ठित संस्थानों ने अकादमी को राष्ट्रीय महत्व के प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन/आयोजन का दायित्व दिया है। वर्ष 2009 से अकादमी में अखिल भारतीय एवं केन्द्रीय सेवाओं के ग्रुप 'ए' के अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। अब तक ऐसे 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय पुलिस एवं भारतीय वन सेवा सहित देश की महत्वपूर्ण 14 केन्द्रीय सेवाओं के 512 अधिकारी यहाँ प्रशिक्षित हुए हैं। भारतीय विदेश सेवा एवं भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारियों का राज्य संलग्नीकरण भी अकादमी द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वायु सेवा, राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय एवं भारत सरकार, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईएसटीएम) के अधिकारियों के लिये भी अकादमी में प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

प्रशासन अकादमी में गुणवत्तायुक्त पूर्ण सेवाएँ देने एवं प्रशिक्षण के लिये आने वाले अधिकारियों के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करने की दृष्टि से प्रमाणीकरण आईएसओ 9001:2008 संस्था के रूप में करवाया गया है। पूरे देश में मात्र कुछ राज्य प्रशिक्षण अकादमियों को ही यह गौरव हासिल है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान तथा मुख्यमंत्री सचिवालय के आईएसओ 9001:2008 प्रमाणीकरण में अकादमी की भूमिका रही है। प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार तथा उत्कृष्ट पद्धतियाँ विकसित करने के लिये वर्ष 2015 में अकादमी को कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) द्वारा दो राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रशासन अकादमी देश की एकमात्र ऐसी प्रशिक्षण संस्था है, जिसे राष्ट्रीय-स्तर पर एक वर्ष में एक साथ दो पुरस्कार मिले।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

एक दिन में कितनी बार धोना चाहिए चेहरा?

त्वचा से जुड़ी छोटी से छोटी बात के लिए विशेषज्ञ नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर नियम से चलें तो आप बिना पार्लर जाए भी निखरी और बेदाग त्वचा पा सकती हैं।

त्वचा की देखभाल में आपका खानपान भी शामिल है। अच्छे खानपान का असर चेहरे पर भी पड़ता है. रोज की डाइट में जूस, ज्यादा से ज्यादा पानी और फाइबरयुक्त चीजें लेने से त्वचा को भी पोषण मिलता है। खानपान और देखभाल के साथ ही एक और कारक है जो त्वचा को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। आप एक दिन में कितनी बार अपना चेहरा धो रही हैं, इससे भी आपकी त्वचा प्रभावित होती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है और आप दिन में दो बार चेहरा धोती हैं तो आपकी स्किन निखरी और बेदाग बनी रहेगी। वहीं अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आपके लिए एकबार भी चेहरा धोना पर्याप्त है।

आमतौर पर ऐसी धारणा है कि दिन में ज्यादा से ज्यादा बार चेहरा धोना फायदेमंद होता है लेकिन आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जिनकी त्वचा ड्राई है। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो भी तीन बार से अधिक चेहरा धोना नुकसानदेह हो सकता है। अगर आपके चेहरे पर बहुत मुंहासे हैं तो उन्हें आप समय-समय पर साफ कर सकती हैं। अब तो आप ये समझ गई होंगी कि चेहरा धोने के भी कुछ खास नियम होते हैं। गर्मियां आ गई हैं और अब त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है। ऐसे में ये जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि कब चेहरा धोएं और कैसे धोएं?

1. सुबह के समय चेहरा धोते समय

सुबह के समय जब आप बिस्तर से उठती हैं तो सबसे पहले अपने दांत साफ करें और अपने चेहरे को पानी से धोएं। आप चाहें तो कोई भी माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धो सकती हैं। सुबह के समय चेहरा धोना बहुत जरूरी है। सुबह के समय चेहरा धोने से पोर्स साफ हो जाएंगे और आप फ्रेश महसूस करेंगी।

2. दोपहर के समय चेहरा धोते समय

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो बेहतर होगा कि आप अपने डॉक्टर से ये पूछ लें कि आपकी त्वचा के लिए कौन सा साबुन या फेसवॉश अच्छा रहेगा. आप चाहें तो ठंडे साफ पानी से भी चेहरा साफ कर सकती हैं। दोपहर के समय ठंडे पानी से चेहरा धोने पर आप फ्रेश तो महसूस करेंगी ही साथ ही इससे आपके चेहरे पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल भी निकल जाएगा।

3. शाम के समय चेहरा धोते समय

काम के बाद घर लौटने पर चेहरा धोना बहुत जरूरी है। अगर घर लौटकर नहाना आपकी आदत में शुमार है तो नहाने के दौरान ही चेहरा भी साफ कर लें। वरना सिर्फ चेहरे को भी अच्छी तरह से साफ करें। इससे आपकी दिनभर की थकान दूर हो जाएगी और चेहरे की सारी गंदगी भी साफ हो जाएगी। आप चाहें तो इसके बाद हर्बल पैक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। गर्मियों में हर्बल पैक इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा।

अब कैलकुलेटर बताएगा कितने तनाव में हैं आप

अनगिनत ख्वाहिशों को पूरा करने का तनाव, ऑफिस में खुद को साबित करने का तनाव, टारगेट अचीव करने का तनाव, बच्चों को अच्छी जिंदगी अच्छी शिक्षा देने का तनाव और तनाव बढ़ने का तनाव. हर रोज हम एक नया तनाव पाल लेते हैं. पर क्या आपने कभी सोचा है कि आपके इस तनाव का कितना बोझ है?

ब्रिटेन की एक बड़ी इंश्योरेंस कंपनी के विशेषज्ञों ने तनाव मापने वाला एक ऐसा मैथेमेटिकल कैलकुलेटर तैयार किया है, जो यह बताएगा कि आप अपने साथ रोज कितने किलो चिंता का वजन ढो रहे हैं.

विशेषज्ञों ने इसे 'वेट ऑफ वरी' कैलकुलेटर का नाम दिया है. वास्तव में यह कैलकुलेटर एक क्विज है. विशेषज्ञों ने कैलकुलेटर को एक गेम जैसा तैयार किया है. ये गेम भारत में भी एक्टिव हो चुका है. कंपनी की वेबसाइट पर जाकर यह गेम खेला जा सकता है. शुरुआती ऑनलाइन क्विज गेम 'वेट ऑफ वरी' कैलकुलेटर में यह खुलासा किया गया है कि दुनिया में हर शख्स साल के 900 घंटे यानी कि 38 दिन सिर्फ चिंता करने में बिता देता है.

स्टडी : गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से घटता है कैंसर का खतरा...

एक नई रिसर्च में ये बात सामने आई है कि 'गर्भनिरोधक' गोलियों के सेवन से कैंसर होने की संभावना कम हो जाती है.

आप भी जानिए क्या है परिणाम...

च की एबरडीन यूनिवर्सिटी ने कहा है कि गर्भनिरोधक गोलियों के नियमित सेवन से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है. 40 साल से भी अधिक समय तक चले इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने ये जानने का प्रयास किया कि गर्भनिरोधक गोलियों का स्त्री के शरीर पर क्या असर होता है. अब रिसर्च में परिणाम निकला है कि इस तरह की गोलियों के सेवन से ओवेरियन कैंसर का खतरा कम होता है. गर्भाशय से जुड़े सभी प्रकार के कैंसर के खतरे को इसमें शामिल किया गया है. यही नहीं, रिसर्चर्स ने

पाया कि इन गोलियों का सेवन करने वाली महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले भी काफी कम देखे गए थे. रिसर्चर्स ने ये भी कहा कि कैंसर की नजर से देखा जाए तो ये पिल्स काफी सुरक्षित हैं.

कैसे कैंसर से बचाती है ये पिल

शोधकर्ताओं ने कहा है औरतों में कैंसर होने की प्रमुख वजह उनके हार्मोन होते हैं. चूंकि इस पिल में 'ऑस्ट्रोजन हार्मोन' का छोटा डोज होता है, और ये 'ब्रेस्ट' और 'सर्वाइकल कैंसर' से संबंधित है, इसलिए कुछ शोधों में ये बात कही गई थी कि इनके सेवन से कैंसर होने का खतरा हो सकता है. पर चूंकि इन पिल्स में 'प्रोजेटेरोन' नामक हार्मोन भी होता है, जिसे गर्भाशय कैंसरों से बचाव के लिए जाना जाता है. इसलिए लंबे समय तक इन पिल्स के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है.

टैक्स फ्री हो सकते हैं सैनिटरी नैपकिंस

हालांकि शोधकर्ताओं ने अंत में ये भी कहा है कि कोई भी दवा बिना साइड इफेक्ट के नहीं होती है, इसलिए लंबे समय तक किसी भी दवा का सेवन जोखिम भरा तो होता ही है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए जरूरी है ये स्किल्स

आधुनिक होते समाज में इंटीरियर डिजाइनर्स की मांग काफी बढ़ गई है। इसमें कोई शक नहीं कि अब लोगों की व्यवस्थित, सुंदर और सुरुचिपूर्ण ढंग से रहने की आदतें बड़ीं हैं। कम स्थान में कैसे सुविधापूर्वक रहा जाए, इसकी जरूरत भी पहले से बड़ गई है। इस मामले में लोगों को इंटीरियर डिजाइनर के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है। इंटीरियर डिजाइनर आवास के अलावा ऑफिस, दुकान तथा अन्य प्रकार के भवनों की भी साज-सज्जा करते हैं। साज-सज्जा का कार्य पर्यावरण, मनोविज्ञान, वास्तुकला और प्रोडक्ट डिजाईन से गहराई से जुड़ा हुआ है। जिसकी रुचि, चीजों को व्यवस्थित करने, नया लुक प्रदान करने और रचनात्मक कार्य करने में है, उनके लिए इंटीरियर डिजाइनिंग एक करियर के रूप में बहुत ही लाभदायक हो सकता है। यह इस समय तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है और इसमें रोजगार की भी अच्छी सम्भावना है।

वर्क प्रोफाइल : इंटीरियर डिजाइनर का काम क्रिएटिव होता है। उसका मुख्य काम है क्लाइंट की इच्छा तथा बजट के अनुसार घर को सुंदर रूप देना। पहले इंटीरियर डिजाइनर घर की बनावट के आधार पर कम्प्यूटर की सहायता से मैप तैयार करता है। अगर वह क्लाइंट को पसंद आ गया और उसकी सहमति मिल जाती है, तो वह उसी के अनुरूप घर को अंतिम रूप दे देता है।

शैक्षणिक योग्यता : इंटीरियर डिजाइनिंग के कोर्स में प्रवेश पाने के लिए 12वीं में गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा इंग्लिश में कम से कम में 55 प्रतिशत अंक जरूरी हैं।

पर्सनल स्किल्स : इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में सफलता क्लाइंट की अधिकतम संतुष्टि पर निर्भर करती है। इंटीरियर डिजाइनर में सिर्फ क्रिएटिव ही नहीं, टेक्निकल गुण होना भी बहुत जरूरी है। घर की सज्जा को अंतिम रूप देने तक की प्रक्रिया में डिजाइनर को कई लोगों से मिलना पड़ता है और बात भी करनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में प्रभावशाली ढंग से बातचीत करने की क्षमता का होना जरूरी है। इंटीरियर डिजाइनर के विचारों पर अंतिम मुहर क्लाइंट के द्वारा ही लगती है, इसलिए यह भी जरूरी है कि क्लाइंट इंटीरियर डिजाइनर की बात को बिना किसी परेशानी के समझ सके। और इसके लिए एक डिजाइनर में तकनीकी भाषा को आम भाषा में परिवर्तित करने का गुण भी होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इंटीरियर डिजाइनर को धैर्यवान तथा मृदुभाषी भी होना चाहिए।

रोजगार अवसर : पिछले कुछ समय से घर के प्रति जागरूकता ने इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में अनेक विकल्पों को जन्म दिया है। इस क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं पैदा हुई हैं। एक इंटीरियर डिजाइनर के रूप में किसी बड़ी कंपनी के लिए काम करने के अलावा स्वयं भी कोई कंपनी स्थापित करने का विकल्प उपलब्ध है। प्रोफेशनल्स किसी प्राइवेट डिजाइन फर्म या थियेटर में भी काम कर सकते हैं। पब्लिक सेक्टर में भी इंटीरियर डिजाइनरों की काफी मांग है। पब्लिक इंस्टीट्यूशंस जैसे टाउन प्लानिंग ब्यूरो, मेट्रोपोलिटन और क्षेत्रीय विकास डिपार्टमेंट में इंटीरियर डिजाइनर्स की आवश्यकता है तथा भविष्य में भी इनकी मांग बनी रहेगी। जो व्यक्ति पार्ट-टाइम जॉब करना चाहते हैं तथा अपना खुद का बिजनेस करना चाहते हैं, वे भी थोड़ा-सा पैसा लगाकर इस क्षेत्र में करियर तलाश सकते हैं।

जानिए डिजास्टर मैनेजमेंट में भविष्य की संभावनाएं

हर साल दुनिया के किसी-न-किसी देश में भूकंप, बाढ़ या सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाएं लोगों के जीवन को प्रभावित करती रहती हैं। यूएन द्वारा जारी किए गए कुछ आंकड़ों के अनुसार, पिछले 20 वर्षों में करीब 30 लाख लोग प्राकृतिक आपदाओं के शिकार हुए। जबकि सही समय पर प्रोफेशनल्स की मदद से 10 लाख लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इन आंकड़ों से साफ है कि डिजास्टर मैनेजमेंट समय की मांग तो है ही, एक ऐसा करियर ऑप्शन भी है जो अच्छे पे पैकेज के साथ जॉब सेटिस्फैक्शन भी देता है। अगर आपको सेवा के क्षेत्र से जुड़कर काम करने में दिलचस्पी है, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

क्या है डिजास्टर मैनेजमेंट? : डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का काम आपदा के शिकार लोगों की जान बचाना और उन्हें नई जिंदगी देना है। आपात स्थिति के समय बिगड़ी हुई जिंदगी को पटरी पर लाने का काम इन्हीं के जिम्मे होता है। इन प्रोफेशनल्स को आपदा पीड़ितों को तुरंत बचाने, राहत पहुंचाने और उनकी जरूरतें पूरी करने की ट्रेनिंग भी दी जाती है। साथ ही, इन्हें घायलों का प्राथमिक उपचार भी करना होता है।

जरूरी कोर्सेज : डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़े सर्टिफिकेट से लेकर पीजी डिप्लोमा स्तर के कोर्सेज अलग-अलग यूनिवर्सिटीज और इंस्टीट्यूट्स में कराए जाते हैं। इनमें से कुछ कोर्सेज में इंटर के बाद ही एडमिशन लिया जा सकता है, जबकि कुछ कोर्सेज के लिए ग्रेजुएट होना जरूरी है। आप सर्टिफिकेट कोर्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट, एमए इन डिजास्टर मैनेजमेंट, एमबीए इन डिजास्टर मैनेजमेंट और पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट कर सकते हैं।

कौन-सी स्किल्स? : चूंकि यह चुनौती और खतरों से भरा हुआ काम है, इसलिए इसमें प्रेजेंस ऑफ माइंड और बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। इसके अलावा आपका शारीरिक व मानसिक तौर पर तगड़ा होना भी जरूरी है। ऐसे प्रोफेशनल्स को किसी भी समय अचानक किसी आपदा के दौरान काम करना पड़ता है, इसलिए आपके अंदर धैर्य के साथ हमेशा काम करने का जज्बा होना चाहिए। इसके अलावा कम समय में सही निर्णय लेना भी एक महत्वपूर्ण गुण है।

भविष्य की संभावनाएं : इस फील्ड में ज्यादातर जॉब्स गवर्नमेंट सेक्टर में ही हैं, इस लिहाज से यह एक बेहतर करियर ऑप्शन है। इस- के अलावा इमरजेंसी सर्विसेज, लोकल इंफोर्समेंट, लोकल अथॉरिटीज, राहत एजेंसीस, गैर-सरकारी संस्थान और संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसीज में काम करने की अच्छी संभावनाएं हैं। प्राइवेट सेक्टर में रिस्क मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी कंसल्टेंसी, डॉक्यूमेंटेशन, इंश्योरेंस, स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट जैसी फील्ड में जॉब के अवसर हैं। आप चाहें, तो बतौर ग्रेजुएट प्रोफेशनल अपनी कंसल्टेंसी भी शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा टीचिंग और रिसर्च भी एक करियर ऑप्शन है।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

SUKHWANT SINGH CLASSES
(RUN BY SUKHWANT SIR EX FACULTY SUPER-30 PATNA GROUP)
TEACHING SINCE 1984
Exclusively for CBSE/ISC
XI, XII-IIT
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Focused & Comprehensive Study Material
● Maths & Physics by Sukhwant Sir
● Chemistry by eminent faculty
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
● Morning Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● New Evening Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rdApril
● 11th Cum IIT/AIIMS 10th April
● Weekend Morning Batch for 12th Board 3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9479955649, 9424312779

व्यापार में सफलता के लिए आसान उपाय

अपने व्यवसाय को लेकर अकसर लोगों को यह शिकायत रहती है कि पूरी मेहनत और प्रयास के बाद भी सुनिश्चित सफलता नहीं मिल रही है। यदि आपको भी अपने व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पढ़ रहा है, तो फिर किसी सर्टिफाइड वास्तु कंसल्टेंट से संपर्क करें क्योंकि बिजनेस में अपेक्षित सफलता ना मिलने का कारण आपके घर या ऑफिस में वास्तु असंतुलन भी हो सकता है।

किसी भी व्यवसाय में सफलता के लिए कुछ बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं मसलन - प्रॉपर प्लानिंग, धन या फाइनेंस, योजना को किस तरह से क्रियान्वित करना है, टीम मैनेजमेंट आदि।

इन सारी चीजों में पैसा या फाइनेंस सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर आपके पास समुचित धन नहीं होगा तो आप चाहे कितनी भी योजनाएं क्यों ना बना लें उसे क्रियान्वित नहीं कर पायेंगे। हम बताते हैं कि वास्तु के किन उपायों का उपयोग करके आप अपने व्यवसाय में लाभ कमा सकते हैं।

व्यवसाय के लिए लोन लेना चाहते है तो उत्तर पश्चिम में दो सफेद घोड़ों की तस्वीर लगाएं।

भाग्यांक की दिशा में उस दिशा से संबंधित रंग व शेप की तस्वीर लगाएं।

कस्टमाइज वस्तु सिद्धांतों पर अमल करके आप व्यवसाय में सफलता के चरम सोपान तक पहुंच सकते हैं।

आमतौर पर लोगों की धारणा है कि उत्तर धन का जोन है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि धन और अवसर का जोन उत्तर धन को बढ़ाने में भी कारगर सिद्ध होगा ही। व्यवसाय में सफलता के लिए धन और अवसर के जोन उत्तर के साथ-साथ बैंकिंग और सहयोग के जोन उत्तर-पश्चिम को दुरुस्त करना भी जरूरी है।

इस जोन की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कंपनी के मालिक या डायरेक्टर की डेट ऑफ बर्थ का खास तौर पर विश्लेषण करना चाहिए कि इस जन्मतिथि में पंचतत्वों जल, आकाश, वायु, पृथ्वी और अग्नि में से किस तत्व की प्रधानता है, उसी के आधार पर उसके बैठने की जगह को संतुलित करें। अगर उसकी जन्मतिथि में जल तत्व कमजोर है, तो उसे संतुलित करने के लिए डायरेक्टर के कमरे में सेलिंग शिप या डॉल्फिन का चित्र लगाएं। इसके लिए आप विशेषज्ञ की सहायता ले सकते हैं।

अगर डायरेक्टर या मालिक की डेट ऑफ बर्थ ज्यादा प्रभाशाली नहीं है, तो उसके स्थान पर उसके पुत्र या पत्नी की जन्मतिथि का प्रयोग भी कर सकते हैं।

किसी भी व्यवसाय की सफलता में दिशाओं की महत्वपूर्ण भमिका होती है। दिशाओं से लाभ उठाने के लिए आप अपने प्रयोजन को ध्यान में रखें। इसके साथ ही आपका व्यवसाय किस तरह का है इस का ध्यान रखना भी जरूरी है। अगर आप ट्रेडिंग का बिजनेस कर रहे हैं, तो उसमें स्टॉक का विशेष महत्व है। बिजनेस में निश्चित सफलता के लिए अपने स्टॉक को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें।

कंपनी के मालिक के बैठने की दिशा उसकी जन्मतिथि के अनुसार शुभ दिशा में हो तो बेहद अच्छा रहता है। इसमें जातक के व्यवसाय को भी देखना पड़ता है।

व्यवसाय में सफलता के लिए उत्तर और उत्तर पश्चिम को सक्रिय रखें।

अगर आपको अपने ऑफिस में जाने के बाद काम करने का मन नहीं करता है या यूं कहें कि आप एनर्जेटिक फील नहीं करते हैं और आपके अंदर निराशा की भावना आती है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि आपके कार्यस्थल पर नेगेटिव एनर्जी सक्रिय है, इसी वजह से आपको मनोवांछित की प्राप्ति नहीं हेा रही है। कार्यस्थल में पॉजिटिव एनर्जी विकसित करने के लिए एनर्जी सॉल्ट से 27 दिन तक पोंछा लगवाएं आपको वांछित परिणाम नजर आने लगेगा।

जब भी आपको किसी से व्यवसाय में बढोतरी के संबंध में बात करनी है, तो फिर पूर्व में बैठकर करें।

धन एवं समृद्धि के देवता कुबेर का निवास उत्तर में है, इसलिए धन एवं समृद्धि को आकर्षित करने के लिए उत्तर और उत्तर-पूर्व को संतुलित रखें। इसके लिए आप उत्तर दिशा में टेबल पर या फिर दीवार में बने आले पर कुबेर की मूर्ति लगा सकते हैं।

फेंगशुई की मदद से बनाएं सुकून वाला घर

हमलोग सभी एक अच्छा घर चाहते हैं, जहां सुकून के दो पल बिता सकें। फेंगशुई आपको सही घर बनाने में मदद करता है, इसके साथ ही यह आपको यह भी बताता है कि घर में हर रूम का कितना महत्व है और यह कहां-कहां स्थित रहना चाहिए, जिससे आपको मन की शांति और चैन मिल सके।

बेडरूम- जिनकी अभी हाल में ही शादी हुई है या युवा कपल हैं, उन्हें अपना बेडरूम घर के अंदर उत्तर-पश्चिम दिशा में रखनी चाहिए। वैसे शादीशुदा जोड़े जो महत्वाकांक्षी हैं, उन्हें अपना रूम दक्षिण दिशा में रखनी चाहिए और जो अपने गोल तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं उन्हें उत्तर दिशा में रहना चाहिए।

ओल्ड कपल को पूर्व दिशा में रहना चाहिए, जिससे उन्हें शांति और आराम मिल सके। गेस्ट रूम को उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। इससे गेस्ट को आराम मिलेगा। सोने वक्त सिर को दक्षिण दिशा में रखें। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो सके तो आप पूर्व दिशा में भी सिर रख सकते हैं।

किचन- इस बात का ध्यान रखें कि घर में किचन दक्षिण-पूर्व दिशा में होनी चाहिए, क्योंकि इस जोन को अग्नि जोन कहा जाता है। और खाद्य पदार्थों को पीसने वाली क्रिया दक्षिण-पूर्व दिशा में करें, इसलिए मिक्सर ग्लेंडर इसी दिशा में रखें।

अगर इस दिशा में किचन रखना संभव नहीं हो पा रहा है तो उत्तर-पश्चिम या पश्चिम या दक्षिण दिशा को चुन सकते हैं लेकिन उत्तर-पूर्व, पूर्व या दक्षिण जोन को किचन के लिए नहीं चुना जाना चहिए।

मैं कभी भी किचन को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने की सलाह नहीं दूंगी क्योंकि इससे संबंधों में तनाव आता है। किचन में बेसीन उत्तर दिशा में और रेफ्रिजरेटर उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

सभी बड़े बरतन और सामान दक्षिण-पश्चिम जोन में होना चाहिए। ऑफिस पैन्ट्री दक्षिण-पूर्व जोन में होना चाहिए।

बाथरूम- नहाने का क्षेत्र पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए, ध्यान रखें इस दिशा में टॉइलट नहीं हो। टॉयलट के लिए सही जोन उत्तर या उत्तर-पश्चिम या पश्चिम है। बाथरूम को काफी फैंसी नहीं बनाना चाहिए। यह साधारण और साफ-सुथरा रहे तो अच्छा है।

पूजा घर- उत्तर-पूर्व को मानसिक शुद्धता का जोन कहा जाता है। इसे साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए। इस जोन में भगवान की पूजा, ध्यान और योग करें तो अच्छा है। मंदिर और योग रूम बनाने के लिए यह सबसे सही जोन है।

चली गई नौकरी, ये चीजें करना न भूलें

अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए-

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही है। इसके बाद आप यह पता करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे प्रोडक्टिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।

- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकले आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल रोते नहीं रह सकते।

- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे है। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।

- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हो, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता रहेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।

- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नैचुरल है। लेकिन यह बात जरा न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।

ज्योग्राफी में है रुचि, तो आपके लिए यह करियर रहेगा परफेक्ट

- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकाले और अपना नया बजट तैयार करें। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब स्थायी आय शुरु होगी। आपको अपने खर्चे को लेकर सजग रहना होगा।

बेंगलुरु में होने वाले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच मुकाबला

बेंगलुरु। दो बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल के एलिमिनेटर में बुधवार को पिछली चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी. उसका इरादा लगातार हार का सिलसिला तोड़ने का होगा.

बुधवार के मैच के विजेता का सामना मुंबई इंडियंस और राइजिंग पुणे सुपरजायंट के बीच 19 मई को होने वाले पहले क्वालिफायर में हारने वाली टीम से होगा. इसके जरिए फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा.

केकेआर ने इस सत्र के दूसरे हाफ में सात में से चार मैच गंवाए हैं. शाहरुख खान की टीम शुरुआती चरण वाला अपना फॉर्म हासिल करने की कोशिश में होगी. उसे उम्मीद होगी कि उसके मैच विनर क्रिस लिन फार्म में लौटें.

लिन ने पिछले महीने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर 21 गेंद में 50 रन बनाए थे. उन्होंने कप्तान गौतम गंभीर के साथ मिलकर गुजरात लायंस के खिलाफ पहले मैच में 184 रन की साझेदारी की जिसमें नाबाद 93 रन बनाए.

केकेआर को सुनील नरायन से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी, जैसी उसने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ की थी. उस मैच में उन्होंने सैमुअल बद्री और श्रीनाथ अरविंद की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाकर सिर्फ 15 गेंद में अर्धशतक पूरा करके आईपीएल के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की थी.

टीम के पास मनीष पांडे और रॉबिन उथप्पा जैसे बल्लेबाज भी हैं. पांडे ने 396 और उथप्पा 386 रन बनाए हैं. गंभीर भी शुरुआती सत्र में शानदार फॉर्म में थे लेकिन बाद में लय कायम नहीं रख सके. वह अभी तक इस सत्र में 454 रन बना चुके हैं और खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश में होंगे. गेंदबाजी में क्रिस वोक्स (17 विकेट) और उमेश यादव (14 विकेट) अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. उनके लिए हालांकि डेविड वॉर्नर एंड कंपनी को रोकना कड़ी चुनौती होगी.

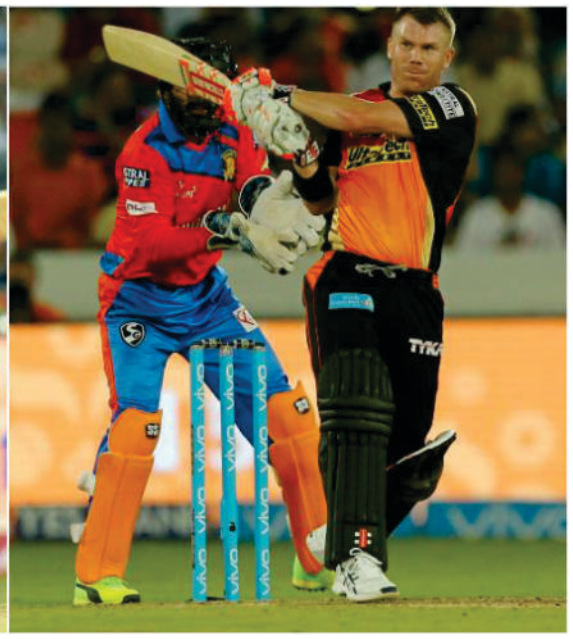

गत चैंपियन सनराइजर्स ने 14 लीग मैचों में से आठ जीते और पांच गंवाए हैं. गुजरात लायंस को आखिरी लीग मैच में आठ विकेट से हराकर उसने प्लेऑफ में जगह बनाई. उसे कप्तान वॉर्नर से उम्दा प्रदर्शन बरकरार रखने की उम्मीद होगी जो लगातार दूसरे सत्र में 600 से अधिक रन बना चुके हैं.

शिखर धवन भी अब तक 468 रन बना चुके हैं जिसके दम पर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनका चयन हुआ. युवराज सिंह ने शुरुआती मैच में नाबाद 70 रन बनाए लेकिन उसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके. गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार 13 मैचों में 25 विकेट ले चुके हैं. तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने भी अच्छी गेंदबाजी की.

आपस में भिड़े पांड्या ब्रदर्स, सहवाग ने किया बीच-बचाव

नई दिल्ली। आईपीएल सीजन 10 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या आपस में ही भिड़ गए. रविवार को पांड्या ब्रदर्स ने एक दूसरे को टैग कर ट्वीट किया. जिसके बाद दोनों में आपसी झगड़े की बात सामने आई गई. सोशल मीडिया पर हार्दिक पांड्या ने भाई को टैग करते हुए ट्वीट किया. हार्दिक ने पहले ट्वीट करते हुए लिखा कभी-कभार आपकी जिंदगी में जो लोग आपके बहुत करीब होते हैं वह आपको सबसे ज्यादा निराश करते हैं. यह सही नहीं है. हार्दिक के ट्वीट के बाद क्रुणाल ने भी जवाब देते हुए लिखा ये शुरुआत से ही नहीं होना चाहिए था. मैं बड़ा भाई हूं, ये जान लो. इसे बड़ा मुद्दा न बनाओं.

लेकिन जिस हिसाब से क्रुणाल ने पांड्या के ट्वीट का जवाब दिया है उसे देखकर तो नहीं लगता है कि ये मजाक है. इन दोनों के ट्वीट के बाद सोशल माडिया पर एक्टिव रहने वाले विरेंद्र सहवाग भला कहा पीछे रहने वाले. उन्होंने दोनों भाईयो की चुटकी लेते हुए झगड़ा न करने की सलाह दी.

झगड़े के पीछे ये है वजह : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ दिन पहले दोनों भाइयों ने मुंबई में अपना घर खरीदा है. झगड़े की भनक विरेद्र सहवाग को है, तभी तो उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया. गुजरात के बड़ौदा के रहने वाले दोनों भाई आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं. कप्तान रोहित भी दोनों भाईयों को बराबर प्लेइंग इलेवन में मौका दिए हैं. दोनों का प्रदर्शन भी शानदार है.

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)